SAMPLE QUESTION PAPER - 05
Hindi B (085)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

वह ईंट धन्य है जो कट-छँटकर कंगूरे पर चढ़ती है और हमारा ध्यान अपनी ओर खींचती है। इसके साथ-साथ वह ईंट भी धन्य है जो जमीन के सात हाथ नीचे जाकर नव में गढ़ गई और इमारत की पहली ईंट बनी। उसी ईंट पर इमारत की मजबूती टिकी रहती है। उस ईंट के हिल जाने से कंगूरा नीचे आ गिरेगा अर्थात् नींव की ईंट अधिक महत्त्वपूर्ण है। उस ईंट ने स्वयं को इसलिये नींव में नीचे डाल दिया ताकि इमारत सौ हाथ ऊपर जा सके, उस ईंट ने अंधे कुएँ में जाना इसलिए स्वीकार किया ताकि ऊपर के लोगों को साफ हवा मिलती रहे, सुनहरी रोशनी मिलती रहे। कुछ स्वतंत्रता सेनानियों ने इसलिए अपना बलिदान दे दिया ताकि आने वाली आजादी का सुख दूसरे लोग भोग सकें। सुन्दर निर्माण के लिए हमेशा बलिदान की आवश्यकता होती है। यह बलिदान चाहे ईंट का हो अथवा व्यक्ति का। सुंदर इमारत बनाने के लिए पक्की-लाल ईंटों को नींव में जाना ही पड़ता है। उसी प्रकार समाज को सुंदर बनाने के लिए कुछ तपे-तपाए लोगों को चुपचाप बलिदान देना ही पड़ता है।

1. कंगूरे का क्या अर्थ है? (1)

   (क) नींव

   (ख) चोटी, शिखर

   (ग) छत, मुँडेर

   (घ) ईंट की भट्टी

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

   कथन (A): ईंट की नींव का महत्त्व इस बात में है कि वह इमारत की मजबूती को बनाए रखती है, और उसके बलिदान से ही इमारत ऊँची होती है।

   कारण (R): कुछ स्वतंत्रता सेनानियों ने भी अपनी जान की आहुति दी ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता का सुख मिल सके।

   विकल्प:

   (क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

   (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

   (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

   (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. निम्नलिखित में किस शब्द में 'निर्' उपसर्ग नहीं है- (क) निर्माण, (ख) नीरव (1)

(क) निर्माण

(ख) नीरव

(ग) दोनों में

(घ) किसी में भी नहीं

4. कंगूरे की ईंट और नींव की ईंट में कौन अधिक महत्त्वपूर्ण है? और क्यों? (2)
5. 'पक्की-पक्की लाल ईंट' कह कर लेखक किन्हें उत्साहित कर रहा है? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

शाहजहाँ जब मुगल सम्राट हुआ तब उसने निश्चय किया कि राज्य की राजधानी आगरा से पुराने स्थान पर दिल्ली स्थानान्तरित की जाए क्योंकि आगरा की गर्मी से वह परेशान था। उसने यमुना नदी के दाहिने किनारे, जहाँ सलीमगढ़ था शाहजहाँनाबाद नामक नगर की नींव डाली। वह अपने रहने के लिए परकोटे के भीतर एक विशाल भवन बनवाना चाहता था- नगर के भीतर एक नगर। सन् 1638 ई. में उसने लाल रंग का प्रसिद्ध विशाल लाल किला बनवाना प्रारंभ किया, जिसके निर्माण में लगभग दस साल लगे और सन् 1648 ई. में वहाँ राजधानी आई। इस किले के भीतर शाहबुर्ज, रंगमहल, मुमताज महल, दीवाने आम, दीवाने खास, शाह मंडल आदि इमारतें बनाई गईं जिनकी देखरेख स्वयं शाहजहाँ ने की। दिल्ली का लाल किला इकत्तीस सौ फुट लम्बा और सोलह सौ पचास फीट चौड़ा है और उत्तर से दक्षिण तक फैला हुआ है। ज़मीन की ओर इसकी दीवार अत्यंत मोटी और विशाल है।

1. मुगल साम्राज्य की राजधानी को किसने स्थानान्तरित किया और कहाँ पर किया? (1)

(क) मुमताज महल ने, दिल्ली

(ख) अकबर ने, दिल्ली

(ग) शाहजहाँ ने, दिल्ली

(घ) शाहजहाँ ने, सलीमगढ़

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): शाहजहाँ ने राजधानी को आगरा से दिल्ली स्थानांतरित करने का निर्णय लिया और 1638 ई. में लाल किले का निर्माण प्रारंभ किया।

कारण (R): शाहजहाँ आगरा की गर्मी से परेशान था और उसने दिल्ली में एक नया नगर बसाने का निश्चय किया, जिसमें लाल किला भी बनवाना था।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. दिल्ली से पहले मुग़ल बादशाह शाहजहाँ की राजधानी कहाँ थी? (1)

(क) सलीमगढ़

(ख) शाहजहाँनाबाद

(ग) दिल्ली

(घ) आगरा

4. शाहजहाँ ने लाल किले के भीतर कौन-कौन सी इमारते बनवाई?(2)
5. दिल्ली के लाल किले का क्षेत्रफल क्या है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

i. हमेशा सूर्य उदय से पहले जाग **<u>जाना चाहिए</u>**। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

ii. सड़क के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति अँधा है। इस वाक्य में **विशेषण पदबंध** बताइए।

iii. **<u>चोरी की गई कुछ</u>** गाड़ियों को पुलिस ने खोज निकाला। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

iv. दयालु लोग मनुष्यों के साथ-साथ पशु-पक्षियों पर भी दया करते हैं। वाक्य में **संज्ञा पदबंध** छाँटिये।

v. बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। इस वाक्य में संज्ञा पदबंध क्या है?

4. नीचे लिखें वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **[4]**

i. जैसे ही वह स्टेशन पहुँचा, त्यों ही गाड़ी चल दी। (सरल वाक्य में)

ii. चूहे ने मोटा कालीन काट डाला। (मिश्र वाक्य में)

iii. अपराध सिद्ध होने पर उसे सज़ा हुई। (संयुक्त वाक्य में)

iv. इस संसार में दिखाई देने वाली सभी चीज़े नाशवान हैं। (मिश्र वाक्य में)

v. काका को बंधनमुक्त करके मुँह से कपड़े निकाले गए। (संयुक्त वाक्य में)

5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. 'नागरिकता' शब्द का समास विग्रह करते हुए भेद लिखिए। **[1]**

ii. द्विगु समास में पूर्व पद और उत्तर पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। **[1]**

iii. पृथ्वीपति' सामासिक पद का विग्रह कीजिए और इसके प्रकारों को समझाइए। **[1]**

iv. 'नरेश्वर' सामासिक पद का विग्रह कीजिए और भेदों को समझाइए। **[1]**

v. 'राजमहल' सामासिक पद का विग्रह करते हुए भेद लिखिए। **[1]**

6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. Fill in the blanks: **[1]**

बार-बार किसी के सामने ________ से अच्छा है कि हम स्वावलंबी बनकर छोटा-मोटा रोज़गार शुरू कर दें। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

ii. Fill in the blanks: **[1]**

कौए की चोंच में रोटी का टुकड़ा देखकर लोमड़ी के ________गया। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

iii. 'जी-जान से मेहनत करना' और 'खून-पसीना एक करना' में अंतर स्पष्ट कीजिए। **[1]**

iv. 'तेल देखो, तेल की धार देखो' का वाक्य लिखिए। **[1]**

v. "इस परियोजना को पूरा करने के लिए हमने एड़ी-चोटी का जोर लगाया।" इस पंक्ति का मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग करें। **[1]**

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।
एक शाम तताँरा दिन भर के अथक् परिश्रम के बाद समुद्र किनारे टहलने निकल पड़ा। सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था। समुद्र से ठंडी बयारें आ रही थीं। पक्षियों की सायंकालीन चहचहाटें शनैः-शनैः क्षीण होने को थीं। उसका मन शान्त था। विचार मग्न तताँरा समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को समुद्र पर निहारने लगा। तभी कहीं पास से उसे मधुर गीत गूँजता सुनाई दिया। गीत मानो बहता हुआ उसकी तरफ़ आ रहा हो।

i. तताँरा कैसी पोशाक पहनता था?

क) पारंपरिक ख) आधुनिक

ग) साधारण घ) सभी विकल्प सही हैं

ii. तताँरा की तलवार किसकी बनी हुई थी?

क) लकड़ी की ख) चाँदी की

ग) सोने की घ) लोहे की

iii. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): विचारमग्न तताँरा समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अंतिम किरणों को समुद्र पर निहार रहा था।

कारण (R): तताँरा की तलवार में एक अद्भुत दैवीय शक्ति थी।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

iv. समुद्र किनारे उसे क्या सुनाई दिया?

क) मधुर गीत

ख) लहरों का शोर

ग) पक्षियों की चहचहाहट

घ) हवाओं की सरसराहट

v. तताँरा किसे अपने से कभी अलग नहीं करता था?

क) संगीत को

ख) पारंपरिक पोशाक को

ग) तलवार को

घ) द्वीप को

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. 'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुःखी होने वाले पाठ में समुद्र के क्रोध का क्या कारण बताया गया है? उसने अपना क्रोध कैसे शांत/व्यक्त किया? अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**

ii. **टी-सेरेमनी** किस प्रकार से लाभदायक होती है? **[2]**

iii. कर्नल ने सवार पर नज़र रखने के लिए क्यों कहा? कारतूस पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

iv. बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ऐसी बाणी बोलिये, मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ।।
कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढे बन माँहि।
ऐसैं घटि घटि राम है, दुनियाँ देखै नाँहिं।।

i. प्रस्तुत साखियाँ किसके द्वारा रचित हैं-

क) रहीम

ख) तुलसीदास

ग) कबीर

घ) मीराबाई

ii. कबीरदास ने कैसी वाणी बोलने को कहा है?

क) तीखी

ख) फीकी

ग) मीठी

घ) कड़वी

iii. कस्तूरी को कौन ढूँढ़ता फिरता है?

क) शेर

ख) मनुष्य

ग) हिरण

घ) राजा

iv. मृग की नाभि में क्या विद्यमान होता है?

क) कस्तूरी

ख) हीरा

ग) अमृत　　　　घ) मोती

v. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. मृग राम को वन में ढूँढता है।
ii. कस्तूरी मृग की नाभि में ही होता है और वह उसे पूरे वन में ढूँढता है।
iii. मीठी वाणी से दूसरों को भी खुशी होती है।
iv. परमात्मा हमारे भीतर ही है।
v. हमारी वाणी में अहंकार नहीं दिखना चाहिए।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (i), (ii), (iii), (iv), (v)　　　　ख) (i), (ii), (iii), (iv)

ग) (ii), (iii), (iv), (v)　　　　घ) (i), (ii), (iv), (v)

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. अपने किन हितों को पूरा करने के लिए मीरा कृष्ण की चाकरी करना चाहती थीं? **पद** कविता के आधार पर लिखिए। **[2]**

ii. विरासत में मिली वस्तुओं की सँभाल ज़रूरी है, क्यों? **तोप** कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

iii. **कर चले हम फ़िदा** शीर्षक कविता के आधार पर सैनिकों की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **[2]**

iv. **आत्मत्राण** शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. अपने जीते जी ही अपनी धन-संपत्ति को हड़पने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्र और दाँव-पेंच देखकर हरिहर काका पर क्या बीती होगी? कल्पना के आधार पर लिखिए। **[3]**

ii. **सपनों के-से दिन** पाठ के आधार पर तब के स्कूली बच्चों के पहनावे तथा खेल-कूद की तुलना आज के स्कूली बच्चों से कीजिए। दोनों में से आप किसे अच्छा समझते हैं और क्यों? **[3]**

iii. समाज में समरसता बनाए रखने के लिए टोपी और इफ़्फ़न जैसे पात्रों का होना आवश्यक है। तर्क देकर पुष्टि कीजिए। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

i. **माँ-पिताजी की शादी की बीसवीं सालगिरह** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- सगे-संबंधियों और मित्रों को निमंत्रण
- कार्यक्रम की तैयारी
- रंगारंग कार्यक्रम और माँ-पिताजी की प्रसन्नता

ii. **बाल दिवस** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

iii. **अब अबला नहीं सबला है नारी** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

संकेत-बिंदु

- बदलता समय
- किसी से कम नहीं
- नारी के बढ़ते क़दम

13. अपने क्षेत्र की महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना हेतु मुख्यमंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आप अ.ब.स. नगर निवासी अदम्य विश्वकर्मा/आद्या विश्वकर्मा हैं। आपके क्षेत्र के पार्क को अब तक कूड़ेदान की तरह इस्तेमाल किया जा रहा था। नगर-निगम की पहल और सहयोग से वह पुनः सुंदर पार्क बन गया है। इसके लिए नगर-निगम आयुक्त को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

14. ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अपनी बैठक में ग्रेटर नोएडा विस्तार योजना में कुछ संशोधन किया है। इसकी सूचना **[4]**

नागरिकों को देने के लिए 20 से 30 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

अथवा

अभिषेक वर्मा, दिल्ली पब्लिक विद्यालय के हेड ब्वाय की ओर से सुनामी पीड़ितों के लिए धनराशि दान करने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

15. आपके पिताजी अपनी पुरानी स्कूटी बेचना चाहते हैं। स्कूटी संबंधी समस्त जानकारी देते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित करने के लिए लगभग **40** शब्दों में एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

पर्यावरण विभाग की ओर से जल-संरक्षण का आग्रह करते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. अपने निकट के डिपो-प्रबंधक dlwb@delhigovt.nic.in को नई बस सेवा शुरू करने के लिए एक ईमेल लिखिए। **[5]**

अथवा

एकता में बल विषय पर एक लघुकथा लिखिए।

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ख) चोटी, शिखर, गुंबद, बुर्ज
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (ख) नीरव
   4. नींव की ईट अधिक महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि इमारत की मज़बूती उसी नींव की ईंट पर टिकी रहती है।
   5. पक्की-पक्की लाल ईंट कहकर लेखक युवाओं को उत्साहित कर रहा है। वह उन्हें तपे-तपाये लोग भी कहता है।
2. 1. (ग) मुगल साम्राज्य की राजधानी को शाहजहाँ ने, दिल्ली स्थानान्तरित किया।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) आगरा
   4. शाहजहाँ ने लाल किले के भीतर शाहबुर्ज, रंगमहल, मुमताज महल, दीवाने आम, दीवाने खास, शाहमंडल आदि इमारतें बनवाईं।
   5. दिल्ली का लाल किला इकत्तीस सौ फुट लंबा, सौलह सौ पचास फीट चौड़ा है और उत्तर से दक्षिण तक फैला हुआ है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. क्रिया पदबंध
   ii. सड़क के किनारे बैठा हुआ व्यक्ति
   iii. सर्वनाम पदबंध
   iv. दयालु लोग
   v. याचना भरा चेहरा
4. i. उसके स्टेशन पहुँचते ही गाड़ी चल दी।
   ii. एक मोटा कालीन था जिसे चूहे ने काट डाला।
   iii. उसका अपराध सिद्ध हुआ और उसे सज़ा मिल गई।
   iv. जो चीजें इस संसार में दिखाई देती हैं, वह सभी नाशवान् हैं।
   v. काका को बंधनमुक्त किया गया और उनके मुँह से कपड़े निकाले गए।
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) विग्रह: नगर + इक्ता
   भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "नगर" (शहर) और "इक्ता" (अधिकार) मिलकर "नागरिकता" (शहर के नागरिक का अधिकार) का अर्थ बनाते हैं।
   (ii) द्विगु समास में दो पद होते हैं - पूर्व पद और उत्तर पद। इसमें पूर्व पद संख्या, गुण या द्वैत को व्यक्त करता है, और उत्तर पद उसे विशेषता देता है। उदाहरण के तौर पर, "द्वादशपद" (12 पंख) शब्द में "द्वादश" पूर्व पद है जो संख्या को व्यक्त करता है, और "पद" उत्तर पद है जो चीज़ की पहचान बताता है।
   (iii)
   - विग्रह: पृथ्वी + पति
   - प्रकार: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "पृथ्वी" (धरती) और "पति" (स्वामी) मिलकर "पृथ्वीपति" (पृथ्वी के स्वामी) का अर्थ बनाते हैं।

   (iv)
   - विग्रह: नर + ईश्वर
   - भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "नर" (मनुष्य) और "ईश्वर" (भगवान) का मिलकर एक नया अर्थ बनता है, यानी मनुष्य के भगवान (राजा या ईश्वर)।

   (v)
   - विग्रह: राज + महल
   - भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "राज" (राजा से संबंधित) और "महल" (महल या स्थान) मिलकर "राजमहल" (राजा का महल) का अर्थ बनाते हैं।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) हाथ पसारना
   (ii) मुँह में पानी आना
   (iii) जी-जान से मेहनत करना: पूरी लगन और समर्पण से काम करना।
   खून-पसीना एक करना: अत्यधिक परिश्रम करना।
   (iv) इस मामले में जल्दी मत करो, पहले तेल देखो, तेल की धार देखो।
   (v) मुहावरा: एड़ी-चोटी का जोर लगाना।
   वाक्य: वह अपनी पढ़ाई में एड़ी-चोटी का जोर लगाकर परीक्षा में सफल हुआ।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

एक शाम तताँरा दिन भर के अथक् परिश्रम के बाद समुद्र किनारे टहलने निकल पड़ा। सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था। समुद्र से ठंडी बयारें आ रही थीं। पक्षियों की सायंकालीन चहचहाटें शनैः-शनैः क्षीण होने को थीं। उसका मन शान्त था। विचार मग्न तताँरा समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को समुद्र पर निहारने लगा। तभी कहीं पास से उसे मधुर गीत गूँजता सुनाई दिया। गीत मानो बहता हुआ उसकी तरफ़ आ रहा हो।

(i) **(क)** पारंपरिक
व्याख्या:
पारंपरिक

(ii) **(क)** लकड़ी की
व्याख्या:
लकड़ी की

(iii) **(घ)** कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
व्याख्या:
कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(iv) **(क)** मधुर गीत
व्याख्या:
मधुर गीत

(v) **(ग)** तलवार को
व्याख्या:
तलवार को

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) पाठ के अनुसार समुद्र के क्रोध का मुख्य कारण उसकी सहनशक्ति का खत्म होना था | और जब इतने लंबे समय से बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे धकेल कर उसकी जमीन पर मकान बना रहे थे । अंततः उसकी सहनशक्ति क्रोध का रूप धारण कर के आई और उसकी लहरों ने सबकुछ तबाह कर के रख दिया | लोग समुद्र के भयावह रूप को देखकर भयभीत होने से नहीं बच सके।

(ii) यह झेन संस्कृति की देन है। इससे मानसिक रोग का उपचार होता है, मानसिक सन्तुलन कायम होता है तथा भूत-भविष्य की चिंता नहीं रहती। टी-सेरेमनी का शांतिपूर्ण वातावरण सभी प्रकार के तनावों से मुक्ति प्रदान कर वर्तमान में जीना सिखाता है।

(iii) कर्नल तथा लेफ्टिनेंट जब रात में अपने खेमे में बैठ कर बात कर रहे थे |तभी एक सिपाही ने आकर एक घुड़सवार के आने की खबर दी | उन्हें लगा कि वह वज़ीर अली का कोई दूत या साथी हो सकता है। रात्रि के समय में एक सवार को इतनी तेज़ी से अपने खेमे की तरफ आते देख कर्नल ने अपने सिपाहियों को सवार पर नजर रखने को कहा।

(iv) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ केवल पुस्तकें पढ़कर नहीं, बल्कि दुनिया को देखकर आती है।जीवन की समझ के लिए किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी होना चाहिए। यही कारण है कि किताबें पढ़कर परीक्षा पास कर लेना बहुत बड़ी बात नहीं है, असली बात है उस पढ़ी हुई शिक्षा को अपने जीवन में उतारना व लागू करना। जीवन का व्यावहारिक अनुभव ही व्यक्ति को अधिक महत्त्वपूर्ण बनाता है। उदाहरण के लिए घरों में बड़े बुजुर्ग कम शिक्षा पाकर भी समस्याओं से अधिक कुशलता से निपटते हैं।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ऐसी बाणी बोलिये, मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ।।
कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि।
ऐसैं घटि घटि राम है, दुनियाँ देखै नाँहिं।।

(i) **(ग)** कबीर
व्याख्या:
कबीर

(ii) **(ग)** मीठी
व्याख्या:
मीठी

(iii) **(ग)** हिरण
व्याख्या:
हिरण

(iv) **(क)** कस्तूरी
व्याख्या:
कस्तूरी

(v) **(ग)** (ii), (iii), (iv), (v)
व्याख्या:
कस्तूरी मृग की नाभि में ही होता है और वह उसे पूरे वन में ढूँढता है। मीठी वाणी से दूसरों को भी खुशी होती है। परमात्मा हमारे भीतर ही है। हमारी वाणी में अहंकार नहीं दिखना चाहिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) मीराबाई के मन में आराध्य श्रीकृष्ण की सेवा करने की एक विशेष इच्छा है। उन्हें इस चाकरी के माध्यम से दिन-रात कृष्ण की सेवा का अवसर मिलेगा। कृष्ण की चाकरी करने से उनके निम्न हित पूरे हो सकेंगे और वे कृष्ण के नित्य दर्शन प्राप्त कर सकेंगी। मीरा की आखिरी और अत्यंत महत्वपूर्ण इच्छा है कि उन्हें श्रीकृष्ण की भक्ति मिल जाए। उन्हें वृन्दावन की गलियों में कृष्ण की लीला का यशोगान करने की तीसरी और अंतिम इच्छा है।

(ii) "**तोप**" कविता के आधार पर, विरासत में मिली वस्तुओं की सँभाल करना इसलिए ज़रूरी है क्योंकि:

1. **पूर्वजों की धरोहर**: ये वस्तुएँ हमारे पूर्वजों की धरोहर होती हैं, जो उनके जीवन और संघर्ष की गाथाएँ हमें सुनाती हैं।
2. **इतिहास, परंपरा और संस्कृति से परिचय**: विरासत की वस्तुएँ हमें हमारे इतिहास, परंपरा और संस्कृति से जोड़ती हैं और भावी पीढ़ी को इनसे परिचित कराती हैं।
3. **अतीत से सीख और प्रेरणा**: अतीत की घटनाओं और वस्तुओं से हमें सीखने और प्रेरित होने का अवसर मिलता है, जो हमारे भविष्य को सुसंस्कृत और बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है।

(iii)उत्तर: सैनिक की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. वह चाहता है कि उसके बलिदान के बाद देश की रक्षा में कोई कमी न आने पाए।
ii. वह अपने प्राणों की परवाह न करते हुए देश के लिए प्राण न्योछावर करने से भी पीछे नहीं हटता।

(iv)आत्मत्राण शीर्षक कविता के संदर्भ में पूरी तरह सार्थक है। आत्मत्राण का अर्थ है-अपने आंतरिक भय से बाहर आना अर्थात् स्वयं अपनी सुरक्षा करना। कवि विपदाओं, दुःखों तथा पीड़ा से मुक्ति के लिए ईश्वर का आह्वान नहीं करता, बल्कि वह प्रार्थना करता है ईश्वर उसे उन विपदाओं से संघर्ष करने की शक्ति प्रदान करें। वह ईश्वर से 'त्राण' के बदले 'तैरने' की क्षमता चाहता है। वह अपने अंदर साहस, निर्भयता तथा संघर्षशीलता की कामना करता है। कवि का मानना है कि इन गुणों के माध्यम से वह विपदाओं पर विजय प्राप्त कर सकता है।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) जीवित काल में ही अपनी धन-संपत्ति को हड़पने के लिए रचे जा रहे षड़यंत्र और दाँव-पेंच को देखकर हरिहर काका बहुत दुखी हो गए थे। हरिहर काका को अपने संबंधी और धर्म का आधार ठाकुरबारी दोनों से धोखा मिला। उनकी संपत्ति और धन-दौलत पर सबकी गिद्ध दृष्टि थी। वे उनकी ज़मीन-जायदाद को हड़प लेना चाहते थे। किसी को उनकी भावनाओं की कद्र नहीं थी। इन सबको देखकर वे अंदर से बुरी तरह टूट चुके थे। अब वे चुपचाप पूरे दिन आसमान की ओर देखते रहते, जिसे देखकर ऐसा लगता मानों वे मृत्यु की राह देख रहे हों। उनके मन में समस्त मानवीय मूल्यों के प्रति अविश्वास का भाव उत्पन्न हो गया होगा तथा वे अपने जीवन के प्रति उदासीन हो गए होंगे।

(ii) "सपनों के-से दिन" पाठ के अनुसार, तब के स्कूली बच्चों के पहनावे में साधापन और पारंपरिकता थी। लड़के आमतौर पर कुर्ता और पैंट पहनते थे, जबकि लड़कियाँ साड़ी या सलवार-कुर्ता पहनती थीं। उनके खेल-कूद में भी सरलता थी; वे खुली जगहों पर खेलते थे, जैसे कि गिल्ली-डंडा, कंचे, और काबड्डी।
आज के स्कूली बच्चों के पहनावे में अधिक आधुनिकता और फैशन का समावेश है। वे जींस, टी-शर्ट और खेल के कपड़े पहनते हैं। खेल-कूद की गतिविधियाँ भी बदल गई हैं, अब बच्चे क्रिकेट, फुटबॉल और वीडियो गेम्स में रुचि रखते हैं।
यदि दोनों में तुलना की जाए, तो मैं तब के बच्चों के पहनावे और खेल-कूद को अधिक अच्छा मानता हूँ। इसका कारण यह है कि तब के पहनावे में सहजता और पारंपरिकता थी, जो बच्चों को एकता और भारतीय संस्कृति से जोड़ती थी। खेलों में भी शारीरिक सक्रियता अधिक थी, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती थी।
हालांकि, आज के बच्चों का पहनावा और खेल-कूद आधुनिकता और विविधता को दर्शाता है, लेकिन इसमें कभी-कभी स्वास्थ्य और सामाजिक संबंधों की कमी होती है। इसलिए, एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जिसमें पारंपरिकता और आधुनिकता दोनों का समावेश हो।

(iii)समाज में समरसता बनाए रखने के लिए टोपी और इफ़्फ़न जैसे पात्रों का होना आवश्यक है। इसके लिए निम्न तर्क दिए जा सकते हैं-
पहला- इफ़्फ़न और टोपी जिगरी दोस्त है। दोनों आज़ाद प्रवृत्ति के हैं। अलग-अलग धर्म के होने पर भी दोनों में आत्मीयता है। दोनों एक-दूसरे के धर्मों का सम्मान करते हैं। सुख-दुख में सहभागी होते हैं तथा एक-दूसरे के मनोभावों को समझते हैं। **दूसरा-** दोनों धार्मिक सद्भावना के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। दोनों का विचार है कि प्रेम न जाने जात-पाँत, प्रेम न जाने खिचड़ी-भात। दोनों अपने प्रेम के आड़े धर्म और जात-पाँत को नहीं आने देते हैं। मित्रता सामाजिक सौहार्द्र में सहायक होती है। **तीसरा-** तर्क यह दिया जा सकता है कि दोनों अपने प्रेम में रहन-सहन, हैसियत व रीति-रिवाज को नहीं आने देते थे। टोपी संपन्न परिवार से था तथा इफ़्फ़न सामान्य परिवार से, पर इससे दोनों की मित्रता में कोई कमी नहीं थी।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) माँ-पिताजी की शादी की बीसवीं सालगिरह पर हमने एक यादगार और खास समारोह आयोजित किया। इस विशेष मौके पर हमने सभी सगे-संबंधियों, मित्रों और अन्य प्रियजनों को निमंत्रित किया था।

इस सालगिरह के लिए कार्यक्रम की विविधता और आकर्षण से भरी तैयारी की गई थी। हमने एक विशेष समिति गठित की जो इस समारोह की व्यवस्था और आयोजन के लिए जिम्मेदार थी। इस समिति ने विभिन्न गतिविधियों, संगीत, नृत्य, भोजन और संवाद की योजना बनाई और उन्हें समय-समय पर प्रस्तुत किया।

शादी की बीसवीं सालगिरह समारोह में विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे भजन संध्या, नृत्य संगीत सांध्या, और खास विशेषज्ञों के आमंत्रित किए जाने पर चर्चा सत्र। इन कार्यक्रमों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य था माँ-पिताजी की खुशियों और प्रसन्नता को बढ़ावा देना।

माँ-पिताजी की शादी की बीसवीं सालगिरह समारोह में लोग भावुक भाषणों, आदर्श और सम्मान के इजहार के माध्यम से माँ-पिताजी के जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को याद करने और मनाने का समय बिताएं। इस समारोह ने हमें उनकी खुशियों का सम्मान करने का आदान-प्रदान किया और हमने एक प्रेरणास्त्रोत बनाया जो हमें उनके साथ बिताए गए समय की महत्वता को समझाने में मदद करेगा।

(ii) बाल-दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था। प्रतिवर्ष इस दिन विद्यालयों में विशेष समारोह होते हैं। किसी-किसी विद्यालय में छात्र छात्राओं को मिठाई बाँटी जाती हैं। इस दिन बाल-कल्याणकारी कार्यक्रमों की घोषणा होती है या उन्हें शुरू किया जाता है।

सरकार तथा अनेक संस्थानों की ओर से भी स्कूली बच्चों के मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन के लिए अनेक कार्यक्रम होते हैं। सफदरजंग हवाई अड्डे पर बच्चों को नि:शुल्क हवाई सैर कराई जाती है। राष्ट्रीय संग्रहालय, चिड़ियाघर, कुतुबमीनार में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अनुमति होती है। इसके अतिरिक्त नेहरू संग्रहालय में अनेक आयोजन होते हैं। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन भी बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में बच्चों की रुचि तथा लाभ के लिए उपयोगी सामग्री का प्रकाशन होता है। बाल दिवस के त्योहार का सबसे बड़ा महत्व बच्चों में आत्म-सम्माान, आत्म-गौरव, स्वयं को पहचानने, जीवन में कुछ कर दिखाने की चाह जैसे विचार उत्पन्न करने में हैं। इससे वे उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हैं।

(iii) **अबला नहीं सबला है नारी**

बदलते समय के साथ समाज में नारी की भूमिका और स्थिति में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पहले जहां महिलाओं को केवल घरेलू कार्यों तक सीमित रखा जाता था, अब वे हर क्षेत्र में अपने सामर्थ्य का परिचय दे रही हैं। नारी अब केवल एक गृहिणी नहीं, बल्कि एक मजबूत और आत्मनिर्भर शक्ति के रूप में उभर रही है।

आज की नारी किसी से कम नहीं है। उसने अपने संघर्ष और मेहनत से हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, विज्ञान और तकनीक का हो या राजनीति और व्यापार का, हर जगह उसने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है।

नारी के बढ़ते कदम समाज में बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उसकी सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता, और साहस ने सामाजिक संरचनाओं को नया आकार दिया है। अब वह केवल अपने अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि समाज के व्यापक उत्थान के लिए भी काम कर रही है। इस प्रकार, बदलते समय के साथ नारी ने अपने सामर्थ्य का एक नया आयाम प्रस्तुत किया है और यह साबित कर दिया है कि वह किसी भी मोर्चे पर किसी से भी कम नहीं है।

13. सेवा में,

माननीय मुख्यमंत्री जी

दिल्ली।

विषय - महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना हेतु पत्र।

माननीय महोदय जी,

वर्तमान परिस्थितियों में महिलाओं को रोजगार प्रदान करना ही मेरा लक्ष्य हैं इसीलिए मैं अपने ग्रामीण क्षेत्र की बेरोजगार महिलाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु स्थानीय स्तर पर सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करना चाहती हूँ। सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण प्राप्त करके महिलाएँ घर बैठे लोगों के कपड़े सिलकर अच्छी आमदनी अर्जित कर सकें। इस प्रशिक्षण केंद्र को खोलने का एक मात्र उद्देश्य यही है कि महिलाएँ आत्मनिर्भर बनकर पारिवारिक आय को बढ़ाने में सहयोग देंगी अपने जीवन को बेहतर बनाकर बच्चों को शिक्षा अच्छी शिक्षा प्रदान कर उन्हें एक श्रेष्ठ नागरिक बनाएँगी। वास्तव में महिलाएँ ही परिवार की धूरी हैं, उनकी सहायता करना ही हमारा पुनीत कार्य हैं।

आपसे अनुरोध ही नहीं विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त कार्य योजना को आप शीघ्रातिशीघ्र क्रियांवित करने की कृपा करेंगे।

धन्यवाद!

भवदीय

गरिमा कौर

झारखंड

अथवा

अदम्य विश्वकर्मा/आद्या विश्वकर्मा

नगर निवासी, अ.ब.स. नगर

26/09/20XX

नगर-निगम आयुक्त

प्रिय सर/मैम,

मैं नगर निवासी अदम्य विश्वकर्मा/आद्या विश्वकर्मा आपके नगर के एक निवासी हूँ। मुझे गर्व है और खुशी है कि हमारे क्षेत्र के पार्क को अब एक सुंदर और साफ पार्क बनाया गया है।

पार्क को पुनः संरचना करने के लिए नगर-निगम की पहल और सहयोग के लिए हम आपके आयुक्तता और निरंतर समर्थन का आभारी हैं। यह स्थान अब आनंददायक और नगर के लोगों के लिए मनोरंजन का केंद्र बन गया है।

आपके इस सकारात्मक पहल के लिए हम हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन करते हैं और आपसे आग्रह करते हैं कि आप आगे भी हमारे नगर को और भी सुंदर और विकसित बनाने के लिए ऐसी पहल करें।

आपका धन्यवाद और कृपया आपके नेतृत्व में नगर के विकास में हमें सहयोग देने का आदान-प्रदान जारी रखें।

धन्यवाद,

नगर निवासी अदम्य विश्वकर्मा/आद्या विश्वकर्मा

14.

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

128, मधुबनी एस्टेट, सेक्टर-सत्रह, ग्रेटर नोएडा सिटी, गौतम बुद्ध नगर

वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.com इमेल: authority@gnida.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में ग्रेटर नोएडा विस्तार महायोजना- 2019 में कतिपय संशोधन अनुमोदित किए गए हैं। अनुमोदित संशोधनों का संक्षिप्त विवरण प्राधिकरण की अधिकारिक वेबसाइट: www.greaternoidaauthority. पर उपलब्ध है। उपरोक्त संशोधनों पर यदि किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति या सुझाव हों तो सूचना प्रकाशित की तिथि से 15 दिन के अंदर प्रातः 9.30 बजे से 5.30 बजे तक प्राधिकरण के कस्टमर केयर सेल पर महाप्रबंधक को संबोधित करते हुए लिखित रूप से प्रेषित किया जा सकता है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी

अथवा

दिल्ली पब्लिक विद्यालय

सूचना

20 मई 201

हमारे विद्यालय के प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि अधिक-से-अधिक धन राशि एकत्रित करके सुनामी पीड़ितों की सहायता की जाए। अतः आप सबको सूचित किया जाता है कि अधिक-से-अधिक दान देकर इस अमूल्य कार्य में सहयोग दें। अतिरिक्त जानकारी हेतु स्कूल प्रशासन द्वारा नियुक्त अधिकारी से संपर्क करें।

अभिषेक वर्मा

हेड ब्वाय

15.

विज्ञापन

सेल ! सेल ! सेल !

सुनहरा मौका

जल्दी आओ जल्दी पाओ और बिल्कुल सस्ते दाम में स्कूटी अपने साथ ले जाओ

- पुरानी स्कूटी के दाम पर एकदम नई स्कूटी,
- सिर्फ़ तीन वर्ष पुरानी चमचमाती स्कूटी, जिसका रंग लाल है,
- कीमत बीस हज़ार रूपये मात्र,
- संपर्क पता- लल्लन राम, सेक्टर-6, बिजली टोली, रायपुर, (छ.ग.) । मो.- 74xxxxxx403

अथवा

जल ही जीवन का आधार, संरक्षण से होगा उद्धार

पृथ्वी की सतह पर जो दो-तिहाई जल है उसमें से बहुत कम मात्रा में ही पीने योग्य शेष है। इसलिए आइए हम सब जल के संरक्षण के लिए संकल्प लें कि- अधिक से अधिक वृक्षारोपण करेंगे तथा जल-स्रोतों की रक्षा करेंगे। पानी की एक भी बूँद व्यर्थ नहीं गँवाएँगे।

'जल की हर एक बूँद अनमोल

जल बचाएँ, अपना जीवन बचाएँ।

पर्यावरण विभाग द्वारा जनहित में जारी

16. From: pawan@mycbseguide.com

To: dlwb@delhigovt.nic.in

CC ...

BCC ...

विषय - नई बस सेवा शुरू करने के संबंध में

महोदय,

मैं पालम कॉलोनी निकट राज नगर का निवासी हूँ। यह क्षेत्र आउटर रोड से डेढ़-दो किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ से निकटतम बस स्टैंड भी इतनी ही दूर है। इस दूरी का नाजायज़ फायदा रिक्शावाले तथा आटोवाले उठाते हैं।

आप हज़ारो व्यक्तियों के हित को ध्यान में रखते हुए पालम कॉलोनी से बस अड्डा होते हुए केंद्रीय सचिवालय तक के लिए नई बस सेवा आरंभ करने की कृपा करें ताकि यहाँ के निवासियों एवं कर्मचारियों का समय, श्रम तथा धन बच सके। हम क्षेत्रवाले आपके आभारी होंगे।

पवन

अथवा

एकता में बल

एक बार एक बूढ़ा किसान था। उसके चार पुत्र थे। वे सदा एक दूसरे से झगड़ते रहते थे। किसान बड़ा दुःखी था। उसने उन्हें झगड़ा न करने की शिक्षा दी, परन्तु वे नहीं माने। एक दिन किसान बीमार हो गया। उसका अंत निकट था। उसे एक युक्ति सूझी। उसने अपने पुत्रों को बुलाया। उसने उन्हें लकड़ियों का एक गड्ढा दिया। उसने उन्हें उस गट्टे को तोड़ने के लिए कहा। परंतु वे इसे न तोड़ सके। अब गट्टे को खोल दिया गया। किसान ने अपने पुत्रों को कहा कि वे लकड़ियों को एक-एक करके तोड़े। प्रत्येक पुत्र ने लकड़ियों को आसानी से तोड़ दिया। इस पर पिता ने कहा, लकड़ी के गट्टे की भांति इकटे रहो। यदि तुम इकट्टे रहोगे तो तुम्हें कोई हानि नहीं पहुँचा सकता। पुत्रों ने इससे शिक्षा प्राप्त की। वे फिर कभी नहीं झगड़े। अतः एकता में ही बल है।